Date :- 25/04/2025

NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of B. A. /B.Com. / B.Sc. in Hindi (Sem. V & VI)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 22/04/2025.

The Syllabi of B. A. /B.Com. / B.Sc. in Hindi (Fifth and Sixth Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020 (2023 Pattern)** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2025-26.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Sd/-
Chairman,
Board of Studies

To :

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

B.A. Honors / Honors with Research

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

तृतीय वर्ष कला

पंचम सत्र और षष्ठ सत्र (Semester V & VI)

NEP 2020 के अनुसार

(शै.सत्र-2025-26 के लिए जून 2025 से लागू)

प्रस्तावना :

विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अत: उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातक स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में छात्रों को स्थानीय भाषा के साहित्य का हिंदी अनुवाद के माध्यम से परिचय हो, इसलिए खानदेश का अनुदित काव्य और साथ ही उन्हें विश्व की लोकप्रिय रचनाओं से अवगत करने के लिए विश्व की अनुदित कहानियों के पाठ अंतर्भूत किए गए हैं। हिंदी भाषा के विविध आयामों और भाषा विज्ञानं के पक्षों के अध्ययन हेतु हिंदी भाषा, भाषा विज्ञान विषय को रखा गया है। हिंदी साहित्य के विविध कालों के अध्ययन और चिंतन मंथन के लिए हिंदी साहित्य के इतिहास को शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम में गद्य और पद्य के विविध भेदों की सैद्धांतिकी के अध्ययन हेतु काव्यशास्त्र का समावेश हुआ है। आधुनिक गीत के महान व्यक्तित्व गोपालदास सक्सेना 'नीरज' को विशेष साहित्यकार रूप में पढ़ा जाएगा। साथ ही छातों को MOOC या SVAYAM के ONLINE COURSE करने की सुविधा भी इस पाठ्यक्रम में राखी गई है। उसी प्रकार इस पाठ्यक्रम में हिंदी के व्यावहारिक पक्ष तथा सर्जनात्मक पक्ष के ज्ञान हेतु सर्जनात्मक लेखन और संचार माध्यमों के लिए लेखन को भी शामिल किया गया है। उपरोक्त आयामों पर यथोचित अध्ययन, समझ और अनुसंधान की दिशा में अग्रसर करने की कोशिश भी की जाएगी।

Program Specific Outcome PSO (B.A. Hindi) :

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

PSO No.	PSO
1	स्थानीय साहित्य तथा वैश्विक साहित्य से अवगत कराना
2	हिंदी साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना
3	गद्य तथा पद्य से संबंधित विशेष विधाओं एव साहित्यकारों का समुचित मूल्यांकन करना
4	भाषा विज्ञान के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक व्यावहारिक पक्ष की पहचान करना
5	काव्य तथा गद्य के भेदों और आयामों को काव्यशास्त्र के माध्यम से समझाना
6	सर्जनात्मक लेखन प्रक्रिया और संचार माध्यमों के लिए लेखन करने की प्रेरणा देना

Multiple Entry and Multiple Exit options:

The multiple entry and exit options with the award of UG certificate/ UG diploma/ or three-year degree depending upon the number of credits secured;

Levels	Qualification Title	Credit Requirements		Semester	Year
		Minimum	Maximum		
4.5	UG Certificate	40	44	2	1
5.0	UG Diploma	80	88	4	2
5.5	Three Year Bachelor's Degree	120	132	6	3
6.0	Bachelor's Degree - Honors **Or** Bachelor's Degree- Honors with Research	160	176	8	4

Structure for TYBA, for Academic Year 2025-2026
Faculty of Arts, Humanities & Social Sciences
Department of Hindi
TYBA SEM- V

Semester	Course	Code	TH/ PR	Title of the Paper	Credits	Hours/ week	Total
Sem-III	DSC	HIN DSC- 351	TH	खानदेश का अनूदित काव्य (IKS)	2	2	22
	DSC	HIN DSC- 352	TH	हिंदी भाषा	4	4	
	DSC	HIN DSC- 353	TH	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल भक्तिकाल और रीतिकाल)	4	4	
	DSE	HIN DSE- 351 (A)	TH	Swayam Course -I MHD- 13 उपन्यास: स्वरूप और विकास	4	4	
		HIN DSE- 351 (B)	TH	काव्यशास्त्र -I			
	VSC	HIN VSC -351	TH	सृजनात्मक लेखन	4	4	
	OJT/ INT	HIN OJT/INT-351	PR	OJT/INT	4	8	

TYBA SEM- VI

Semester	Course	Code	TH/ PR	Title of the Paper	Credits	Hours/ week	Total
Sem-IV	DSC	HIN DSC- 361	TH	विश्व की अनूदित कथाएं	2	2	22
	DSC	HIN DSC- 362	TH	भाषा विज्ञान	4	4	
	DSC	HIN DSC -363	TH	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	4	
	DSC	HIN DSC -364	TH	विशेष साहित्यकार- गोपालदास सक्सेना 'नीरज'	4	4	
	DSE	HIN DSE- 365 (A)	TH	Swayam Course - II MHD- 16: भारतीय उपन्यास	4	4	
		HIN DSE- 365 (B)	TH	काव्यशास्त्र -II			
	VSC	HIN VSC -361	TH	संचार माध्यमों के लिए लेखन	4	4	

DSC	:	Department-Specific Core course	**IKS**	:	Indian Knowledge System
DSE	:	Department-Specific elective	**CC**	:	Co-curricular course
GE/OE	:	Generic/ Open elective	**TH**	:	Theory
SEC	:	Skill Enhancement Course	**PR**	:	Practical
MIN	:	Minor course	**ES**	:	Environmental studies
AEC	:	Ability Enhancement Course	**CI**	:	Constitution of India
VEC	:	Value Education Courses	**MIL**	:	Modern Indian Languages

पंचम सत्र (Semester V)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester V)

HIN DSC-351: खानदेश का अनूदित काव्य (IKS)

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. खानदेश प्रान्त के काव्य लेखन एवं कवि- प्रतिभाओं से छात्रों को परिचित कराना 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से स्थानीय साहित्य के महत्त्व को समझाना 3. खानदेश की बोली में लिखित काव्य के अनुवाद की रचनात्मक क्षमता से अवगत कराना 4. स्थानीय बोली या भाषा के साहित्य के अनुवाद, अध्ययन या अनुसंधान की संभावनाओं को बढ़ाना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. खानदेश प्रान्त के काव्य लेखन एवं कवि- प्रतिभाओं से छात्रों को परिचित हो सकेंगे 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से स्थानीय साहित्य के महत्त्व को समझ पाएंगे 3. छात्र खानदेश की बोली में लिखित काव्य के अनुवाद की रचनात्मक क्षमता से अवगत होंगे 4. स्थानीय बोली या भाषा के साहित्य के अनुवाद, अध्ययन या अनुसंधान की संभावना बढ़ेगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.1 खानदेश की मराठी और हिंदी काव्य परंपरा का संक्षिप्त परिचय 1.2 अनुवाद : स्वरूप और अवधारणा 1.3 काव्यानुवाद : महत्त्व और गुण 1.4 काव्यानुवाद : समस्याएं	08
Unit II	2. **निर्धारित पुस्तक : बहिणाबाई के गीत** मूल कवयित्री : बहिणाबाई चौधरी अनुवाद : प्रो. अरुण पाटील, प्रकाशन : शैलजा प्रकाशन, कानपूर मूल कवयित्री : बहिणाबाई चौधरी : जीवन और रचना परिचय अनुवादक : प्रा.अरुण पाटील : जीवन और रचना परिचय	07
Unit III	3. **चयनित गीत** 3.1 मेरी माँ सरसोती 3.2 नैहर की राह 3.3 संसार 3.4 मन 3.5 राह के प्रवासी 3.6 आयी बारिश 3.7 कटाई 3.8 गाडी जोड़ी 3.9 अक्षयतृतीया 3.10 आई पंढरी की दिंडी 3.11 मानव 3.12 बहुरूपी 3.13 धरती को दंडवत	08

Unit IV	4. **अध्ययनार्थ विषय :** 4.1 प्रस्तुत काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक-पारिवारिक चेतना 4.2 प्रस्तुत काव्य में अभिव्यक्त सांस्कृतिक चेतना 4.3 प्रस्तुत काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति 4.4 प्रस्तुत काव्य में अभिव्यक्त मनोविज्ञान 4.5 प्रस्तुत काव्य में अभिव्यक्त लोक जीवन और व्यवहार 4.6 प्रस्तुत काव्य में अभिव्यक्त भौगोलिक सन्दर्भ 4.8 प्रस्तुत काव्य का शिल्प पक्ष : भाषा, अलंकार, प्रतीक और बिंब	07
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• वले, वासुदेव,खानदेश साहित्य आणि संस्कृती, प्रशांत पब्लिकेशन, जळगाव, प्र.सं.2016 • महाजन, प्रभावती, खान्देश भूमी : साहित्य आणि साहित्यिक, प्रज्ञा सुबोध प्रकाशन, सांगली, 2012 • कोतवाल, अशोक, खानदेशचे काव्य विश्व, सुविद्या प्रकाशन, पुणे, प्र.सं. 2012 • खेमानी, डॉ.आनंद प्रकाश - अनुवाद कला : कुछ विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2004 • राय, डॉ.त्रिभुवन, अनुवाद : सिद्धांत और आयाम, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं.2001 • जेऊरकर बलवंत (संपा.)-अनुवाद :समस्याएं और सन्दर्भ, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे, 2006 • पालीवाल, रीतारानी- अनुवाद सैद्धांतिकी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा प्र.सं.2007 • देशमुख, डॉ.अंबादास-अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार, शैलजा प्रकाशन, कानपूर, सं.2008 • चौधरी, स्नेहलता, बहिणाबाई चौधरी : एक चिंतन,कॉन्टीनेंटल प्रकाशन, पुणे • बऱ्हाटे, काशिनाथ बहिणाबाई चौधरी : व्यक्तित्व आणि कवित्व, अथर्व पब्लिकेशन, जळगाव	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester V)

HIN DSC-352: हिंदी भाषा

श्रेयांक (Credits) : 04 | **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना 2. छात्रों को भाषा के भाषा-सिद्धांतों से परिचित कराना 3. छात्रों को भाषा के सैद्धांतिक पक्ष तथा भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना 4. छात्रों को हिंदी के प्रचार-प्रसार का ज्ञान कराना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. भाषा के प्रति रुचि निर्माण होगी 2. भाषा के भाषा-सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे 3. भाषा के सैद्धांतिक पक्ष तथा भाषा के विविध रूपों का ज्ञान होने से भाषा के प्रयोग विषयक कौशल में वृद्धि होगी 4. छात्र हिंदी के प्रचार-प्रसार का इतिहास जान पाएंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएं Hours**
Unit I	**भाषा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 भाषा : अर्थ, परिभाषाएं एवं विशेषताएं 1.2 भाषा के विविध रूप 1.3 बोली और परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा और और राष्ट्रभाषा में पारस्परिक संबंध और अंतर	15
Unit II	**भाषा उत्पत्ति के विविध सिद्धांत** 2.1 दैवी उत्पत्ति का सिद्धांत 2.2 डिंग-डांग अथवा धातु सिद्धांत 2.3 संगीत सिद्धांत 2.4 संकेत सिद्धांत 2.5 आवेग सिद्धांत 2.6 संपर्क सिद्धांत 2.7 इंगित सिंद्धांत 2.8 श्रम-ध्वनि सिद्धांत 2.9 अनुकरण सिद्धांत 2.10 समन्वय सिद्धांत 2.11 अन्य सिद्धांत	15
Unit III	हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय 3.1 **बोलियों की तालिका** 3.2 **खड़ीबोली** 3.3 **ब्रजभाषा** 3.4 **अवधी** 3.5 **भोजपुरी** 3.6 **मारवाड़ी** **(उक्त बोलियों की तथा पदात्मक विशेषताओं का सामान्य परिचय)**	15

Unit IV	**4.हिंदी का प्रचार-प्रसार** **4.1 हिंदी के प्रचार-प्रसार में व्यक्तियों का योगदान** 4.1.1 महात्मा गाँधी 4.1.2 काकासाहेब कालेलकर **4.2 हिंदी के प्रचार-प्रसार में साहित्यिक सस्थाओं का योगदान** 4.2.1 नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 4.2.2 राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा **4.3 हिंदी के प्रचार-प्रसार में अकादमिक सस्थाओं का योगदान** 4.3.1 महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा 4.3.2 केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा **4.4 हिंदी के प्रचार-प्रसार में सरकारी स्वायत्त सस्थाओं का योगदान** 4.4.1 केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• रूवाली, डॉ.केशवदत्त-आधुनिक भाषा विज्ञान भौगोलिक, साहित्यिक, ध्वन्यात्मक, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा • अग्रवाल, डॉ.रामेश्वर दयाल -मुग्धबोध भाषा विज्ञान, साधना प्रकाशन,मेरठ • चौधरी, डॉ.तेजपाल- समाज भाषा विज्ञान की भूमिका, पंचशील प्रकाशन, जयपुर • तिवारी, डॉ.भोलानाथ- भाषा विज्ञान, किताब महल, नई दिल्ली • त्रिवेदी, डॉ.कपिलदेव-भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी • देशमुख, डॉ.अम्बादास-भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर • नेने गो.प., राष्ट्रभाषा आन्दोलन • सिंह, गंगाशरण (संपा.), राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास,	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester V)

HIN DSC-353 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल भक्तिकाल और रीतिकाल)

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. हिंदी साहित्य का काल विभाजन तथा नामकरण से छात्रों को अवगत कराना 2. आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना 3. भक्ति कालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना 4. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों,प्रवृत्तियों तथा रचनाकारों की रचनाओं का ज्ञान प्रदान करना 5. छात्रों को सेट-नेट की परीक्षा तथा हिंदी से संबंधित स्पर्धा परीक्षा के लिए तैयार करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण से छात्र परिचित हो जाएंगे 2. छात्रों को आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाओं का ज्ञान प्राप्त होगा 3. छात्र भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों,प्रवृत्तियों तथा रचनाकारों की रचनाओं से परिचित होंगे 4. छात्रों को रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों,प्रवृत्तियों,तथ रचनाकारों की रचनाओं ज्ञान मिलेगा 5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि सेउपयोगी सिद्ध होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएं Hours**
Unit I	**हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण तथा आदिकालीन साहित्य** 1.1.हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण 1.2 आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि :राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक 1.3 आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां 1.4 रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय 1.5 विद्यापति एवं गोरखनाथ का साहित्य परिचय 1.6 निम्नलिखित कवियों का संक्षिप्त अध्ययन: 1.6.1 पृथ्वीराज रासो- चंदबरदाई 1.6.2 पहेलियां, मुकरियां - अमीर खुसरो	15
Unit II	**भक्तिकाल : सामान्य परिचय** 2.1 पृष्ठभूमि -राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक 2.2 निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियों का परिचय 2.2.1 ज्ञानाश्रयी शाखा-कबीर 2.2.2 प्रेमाश्रय शाखा- जायसी	15
Unit III	3.1 रामभक्ति शाखा- तुलसीदास 3.2 कृष्ण भक्ति शाखा - सूरदास	15

	3.3 निम्नलिखित काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय - 3.3.1 रामचरित मानस 3.3.2 भ्रमरगीत	
Unit IV	**रीतिकाल : सामान्य परिचय** 4.1 पृष्ठभूमि- राजनीति, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक 4.2 रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां 4.3 कवि परिचय -बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण का परिचय 4.4 निम्नलिखित काव्य कृतियों का संक्षिप्त अध्ययन 4.4.1 सतसई - बिहारी 4.4.2 शिवाबावनी- भूषण	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • शुक्ल, रामचंद्र-हिंदी साहित्य का इतिहास • नगेंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास • वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर- हिंदी साहित्य का इतिहास • रस्तोगी, देवीशरण- हिंदी साहित्य का इतिहास • केणी, सज्जनराम- हिंदी साहित्य का इतिहास • शर्मा, रमेशचंद्र- हिंदी साहित्य का इतिहास • शर्मा, शिवकुमार- हिंदी साहित्य और प्रवृतियां	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester-V)

HIN DSE - 351 (A) MOOC MHD- 13: उपन्यास: स्वरूप और विकास (SWAYAM)

पाठ्यक्रम की लिंक :

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou24_hs32/preview?user_email=vijayloharhindi@gmail.com

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों के लिए नई तकनीक के प्रयोग का मार्ग खोलना 2. छात्रों को रूचि अनुसार कोर्स चुनने को प्रोत्साहित करना 3. छात्रों को नियमित पाठ्यक्रमों से बाहर भी अन्य पाठ्यक्रम ONLINE माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करना 4.प्रस्तुत पाठ्यक्रम में उपन्यास के उदय, स्वरूप व इसके विकास की यात्रा के विषय में ज्ञान प्रदान करना 5. विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर उपन्यास संबंधी रचनात्मक जानकारी देना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों के लिए नई तकनीक के प्रयोग का मार्ग मिलेगा 2. छात्रों को रूचि अनुसार कोर्स चुनने को प्रोत्साहित होंगे 3. छात्रों को नियमित पाठ्यक्रमों से बाहर भी अन्य पाठ्यक्रम ONLINE माध्यम से सीखने का अवसर प्राप्त होगा 4.प्रस्तुत पाठ्यक्रम में उपन्यास के उदय, स्वरूप व इसके विकास की यात्रा के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा 5. विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर उपन्यास संबंधी रचनात्मक जानकारी मिलेगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I,	आख्यान के विभिन्न रूप और उपन्यास उपन्यास का अर्थ और स्वरूप उपन्यास का उदय और उसके कारण उपन्यास और अन्य विधाएँ	15
Unit II	उपन्यास: वस्तु और शिल्प उपन्यास की भाषिक संरचना उपन्यास: वर्गीकरण और उसके विभिन्न आधार उपन्यास की आलोचना दृष्टियाँ	15
Unit III	उपन्यास का उदय और उसके कारण नवजागरण और भारतीय उपन्यास राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय उपन्यास स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास	15
Unit IV	नवजागरण और हिन्दी उपन्यास का उदय राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और हिन्दी उपन्यास स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• व्दिवेदी, हजारी प्रसाद - साहित्य सहचर, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • धवन,डॉ.मधु - साहित्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.केशव देव-आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • *भारतीय उपन्यास की दिशाएँ, सत्यकाम, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली* • *भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप, आलोक गुप्ता, राजपाल एंड संस, दिल्ली*

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester V)

HIN DSE-351 (B): काव्यशास्त्र -1

श्रेयांक (Credits) : 04 | **अंतर्गत परीक्षा** : 40

कुल अंक : 100 | **सत्रांत परीक्षा**: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को साहित्य के गद्य भेदों का सामान्य परिचय कराना 2. छात्रों को गद्य के तात्विक स्वरूप से अवगत कराना 3. छात्रों को शब्दशक्तियों का ज्ञान कराना 4. छात्रों में आलोचना की क्षमता विकसित करना 5. छात्रों में गद्य साहित्य को समझने की मौलिक सूझबूझ विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों को साहित्य के गद्य भेदों के सामान्य परिचय से परिचित किया जाएगा 2. छात्रों को गद्य के तात्विक स्वरूप से अवगत कराया जाएगा 3. छात्रों को शब्दशक्तियों के ज्ञान से परिचित कराया जाएगा 4. छात्रों में आलोचना की क्षमता विकसित की जाएगी 5. छात्रों में गद्य साहित्य को समझने की मौलिक सूझबूझ विकसित की जाएगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.गद्य भेद का सैद्धांतिक परिचय- (कथा साहित्य)** 1.1 कहानी- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 1.2 उपन्यास-परिभाषा,स्वरूप, तत्त्व 1.3 नाटक - परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 1.4 निबंध - परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 1.5 एकांकी -परिभाषा,स्वरूप, तत्त्व	15
Unit II	**1.गद्य भेद का सैद्धांतिक परिचय- (कथेतर साहित्य)** 2.1 आत्मकथा- परिभाषा,स्वरूप, तत्त्व 2.2 संस्मरण- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 2.3 जीवनी- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 2.4 रेखाचित्र- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 2.5 रिपोर्ताज- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व	15
Unit III	**3.शब्दशक्ति का परिचय** 3.1 शब्दशक्ति का अर्थ, परिभाषा 3.2 शब्दशक्ति के प्रकार 3.3 अभिधा का सामान्य परिचय 3.4 लक्षणा का सामान्य परिचय 3.5 व्यंजना का सामान्य परिचय	15
Unit IV	**4.आलोचना का परिचय** 4.1आलोचना- परिभाषा तथा स्वरूप 4.2आलोचना की आवश्यकता 4.3 आलोचक के गुण 4.4 आलोचना के प्रकार (संक्षिप्त जानकारी)	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • व्दिवेदी, हजारी प्रसाद - साहित्य सहचर, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • उपाध्याय,आचार्य बलदेव भारतीय साहित्य शास्त्र ,नंदकिशोर एंड संस प्रा .लि., वाराणसी • शुक्ल, रामबिहारी- काव्य-प्रदीप , लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • धवन,डॉ.मधु - साहित्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • डॉ. रामशरण दास गुप्ता, साहित्य शास्त्र, जयपुर

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester V)

HIN VSC-351: सर्जनात्मक लेखन

श्रेयांक (Credits): 04 | अंतर्गत परीक्षा : 40

कुल अंक : 100 | सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. सर्जनात्मक लेखन के महत्त्व को बताना 2. सर्जनात्मक लेखन के रूपों का परिचय देना 3. सर्जनात्मक लेखन की प्रविधि पर प्रकाश डालना 4. सर्जनात्मक लेखन की क्षमता को विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. सर्जनात्मक लेखन के महत्त्व जानेंगे 2. सर्जनात्मक लेखन के रूपों से परिचय होगा 3. सर्जनात्मक लेखन की प्रविधि पर समझ सकेंगे 4. सर्जनात्मक लेखन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1. **सर्जनात्मक लेखन: सैद्धांतिक पक्ष** 1.1 सर्जनात्मक लेखन क्या है ? 1.2 सर्जनात्मक लेखन के उद्देश्य 1.3. सर्जनात्मक लेखन की प्रक्रिया के चरण 1.3.1 मौखिक 1.3.2 लिखित 1.3.3 संशोधन एवं मूल्यांकन 1.3.4 प्रेरणा और प्रोत्साहन	15
Unit II	**2.सर्जनात्मक लेखन के रूप** 2.1 पद्य लेखन : स्वरूप और अवधारणा 2.2 गद्य लेखन : स्वरूप और अवधारणा 2.3 कवि के गुण 2.4 लेखक के गुण	15
Unit III	3. **सर्जनात्मक लेखन के तत्व** 3.1 कविता- लय, छंद और काव्यरूप 3.2 नाटक एवं एकांकी- कथानक, चरित्र, संवाद, रंगकर्म 3.3 कथा साहित्य - कहानी, उपन्यास आदि 3.4 कथेतर गद्य लेखन-निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रेखाचित्र, डायरी, यात्रा वर्णन जीवनी और आत्मकथा	15
Unit IV	**4.सर्जनात्मक लेखन की भाषा** 4.1 बोलचाल की भाषा 4.2 लिखित भाषा 4.3 काव्य भाषा 4.4 गद्य भाषा	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• व्दिवेदी, हजारी प्रसाद - साहित्य सहचर, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • धवन,डॉ.मधु - साहिंत्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • डॉ. रामशरण दास गुप्ता, साहित्य शास्त्र, चिंतन प्रकाशन, जयपुर • कुमार, राजेंद्र, सर्जनात्मक लेखन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2021 • अली, आबिद,कुमार,संदीप-लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरुक्षेत्र • कुलकर्णी, डॉ.सुनील- भाषिक संप्रेषण, कुमुद पब्लिकेशन, जलगांव

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

पंचम सत्र (Semester V)

HIN OJT/INT-351: OJT/ INTERNSHIP

श्रेयांक (Credits): 04 — **अंतर्गत मूल्यांकन** : 40

कुल अंक : 100 — **बहिस्थ मूल्यांकन** : 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों को वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करना • काम पर निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों से अवगत कराना • भाग लेने वाले छात्रों की रोजगार क्षमता का विकास करना • अंततः नौकरी के अनुभव प्राप्त करने के अवसरों का लाभ उठाना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्रों को वास्तविक कार्य का अनुभव प्राप्त होगा • काम पर निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों से अवगत होंगे • काम के घंटे, कार्य प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों से संबंधित ज्ञान से परिचित हों पाएंगे • अंततः नौकरी के अनुभव प्राप्त करने के अवसरों का लाभ उठा सकेंगे	
इंटर्नशिप : इंटर्नशिप एक पेशेवर शिक्षण अनुभव है जो छात्र के अध्ययन के क्षेत्र या कैरियर की रुचि से संबंधित सार्थक, व्यावहारिक कार्य प्रदान करता है। इंटर्नशिप छात्र को कैरियर की खोज और विकास, और नए कौशल सीखने का अवसर प्रदान करती है।		**तसिकाएं Hours** 180
नौकरी पर प्रशिक्षण: नौकरी पर प्रशिक्षण कार्यस्थल पर प्रदान किया जाने वाला प्रशिक्षण का एक रूप है। प्रशिक्षण के दौरान, कर्मचारियों को उस कार्य वातावरण से परिचित कराया जाता है जिसका वे हिस्सा बनेंगे। कर्मचारियों को मशीनरी, उपकर औजार, सामग्री आदि का उपयोग करने का व्यावहारिक अनुभव भी मिलता है।		

षष्ठ सत्र (Semester VI)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN DSC-361: विश्व की अनूदित कहानियां

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.**साहित्यिक दृष्टिकोण विकसित करना** – विश्व की श्रेष्ठ कहानियों के अध्ययन द्वारा छात्रों में साहित्य की समझ और उसकी गहराई को बढ़ाना 2.**संस्कृति और विचारधारा का विस्तार** – विभिन्न देशों और संस्कृतियों की उत्कृष्ट कहानियों के माध्यम से वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना 3.**कहानी शिल्प की समझ** – कथा तत्व, शिल्प, भाषा शैली और लेखन की बारीकियों को पहचानने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना 4.**सृजनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा** – छात्रों को स्वयं रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित करना और उनकी भाषा-संवेदना को समृद्ध करना 5. **मानवीय मूल्यों की पहचान** – कहानियों में निहित नैतिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं को समझकर जीवन में उनका अनुप्रयोग करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र विश्व साहित्य की श्रेष्ठ कहानियों को पढ़कर विभिन्न लेखकों की लेखन शैली और विचारधारा को समझने में सक्षम होंगे 2.वे विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भों में कहानियों की व्याख्या और आलोचनात्मक समीक्षा कर सकेंगे 3.कहानी के संरचनात्मक तत्वों जैसे कथानक, पात्र, संवाद, शैली और प्रतीकों की गहरी समझ विकसित करेंगे। भाषा और साहित्य के प्रति संवेदनशीलता और रुचि में वृद्धि होगी, जिससे उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति निखरेगी। 4.वे अपने स्वयं के लेखन कौशल को बेहतर बनाने में सक्षम होंगे और साहित्यिक समीक्षा व आलोचना की क्षमता अर्जित करेंगे 5.विविध जीवन अनुभवों, मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को समझते हुए वैश्विक नागरिकता की ओर बढ़ेंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.**कहानी का स्वरूप और विकास** • कहानी क्या है? • कहानी की परिभाषा और तत्व • कहानी के प्रमुख तत्व: कथानक, पात्र, संवाद, वातावरण, शैली, संदेश 2. **विश्व साहित्य में कहानी का विकास** • कहानी का प्राचीन स्वरूप (लोककथाएँ, धार्मिक कथाएँ, मिथक, दंतकथाएँ)। • आधुनिक कहानी का जन्म और विकास • विभिन्न देशों में कहानी की परंपराएँ (भारतीय, रूसी, यूरोपीय, अफ्रीकी, एशियाई साहित्य में कहानी) 3. **श्रेष्ठ कहानियों की विशेषताएँ** •क्लासिक और आधुनिक कहानियों की तुलना	08

	• श्रेष्ठ कहानियों में मानवीय मूल्यों, सामाजिक यथार्थ और मनोवैज्ञानिक पहलुओं का समावेश • कहानी का उद्देश्य और पाठकों पर प्रभाव	
Unit II	**2.विश्व साहित्य की निर्धारित रचनाएँ -1** **2.1 फ्रांस की कहानियां** 2.1.1 बाजीगर – अनातोले फ्रांस 2.1.2 चाचा – गाय द मोपासा 2.1.3 दार्शनिक की दुर्दशा – वाल्टेयर **2.2 रूस की कहानियां** 2.2.1 शर्त- एंटन चेखव 2.2.2 दु:ख - एंटन चेखव 2.2.3 लाल झंडी – वी.एम्. गारशियन	07
Unit III	**3.विश्व साहित्य की निर्धारित रचनाएँ-2** **3.1 अमेरिका की कहानियां** 3.1.1 मजाई का उपहार – ओ हेनरी 3.1.2 गुलदाऊदी - जॉन अर्नेस्ट स्टैनबेक 3.1.3 काली बिल्ली- एडगर एलन पो	07
Unit IV	4. **अध्ययनार्थ विषय** 4.1 प्रार्थना का सच्चा सीधा मार्ग 4.2 पारिवारिक संबंधों और भावनाओं का चित्रण 4.3 तर्क, बुद्धिवाद और समाज पर व्यंग्य 4.4 लोभ और ज्ञान के बीच संघर्ष 4.5 संवेदना और सामाजिक उपेक्षा की त्रासदी 4.6 क्रांति और विद्रोह की भावना 4.7 त्याग और प्रेम का अनमोल संदेश 4.8 नारी मन की कोमलता और आत्मसम्मान 4.9 अपराध, अपराधबोध और मनोवैज्ञानिक अस्थिरता	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• कुमार अभय , संपा ,विश्व की श्रेष्ठ कहानियाँ, अंकुर प्रकाशन ,दिल्ली (प.सं.2011) • सोनेरेक्सा , अनातोले फ्रांस की कहानियां , हिंद पॉकेट बुक, दिल्ली , प्र. सं.2012 • मोपासा , मोपासा की लोकप्रिय कहानियां , प्रभात पेपरबैक्स, दिल्ली , प्र. सं.2023 • जैन यशपाल , विश्व की श्रेष्ठ कहानियां , सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन दिल्ली द्वि. सं. 2018 • तिवारी सुरेन्द्र , विश्व की 51 चुनिंदा कहानियां, किताबघर प्रकाशन नई दिल्ली, प्र. सं.2022 • मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास , सुमित प्रकाशन , कानपूर ,संस्करण 2011 • सिंह मोहन विजय, आज की कहानी , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ,संस्करण 2016 • पाण्डेय मैनेजर , साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका , वाणी प्रकाशन , दिल्ली संस्करण 2021 • शाह साधना , हिंदी कहानी – संरचना , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली , संस्करण 2018	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A. HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN DSC- 362: भाषा विज्ञान

श्रेयांक (Credits) : 04 | अंतर्गत परीक्षा : 40

कुल अंक : 100 | सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना 2. छात्रों को भाषा के भाषा-सिद्धांतों, सैद्धांतिक रूपों की बारीकियों से परिचित कराना से परिचित कराना 3. छात्रों में भाषा के प्रयोग विषयक कौशल में वृद्धि करना 4.छात्रों को सेट और नेट की परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगिता परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि तैयार करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. भाषा के प्रति रुचि निर्माण होगी 2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित हो सकेंगे 3.भाषा विज्ञान के विविध रूपों का ज्ञान होने से भाषा के प्रयोग विषयक कौशल में वृद्धि होगी 4. छात्रों के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन सेट और नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.1 भाषा विज्ञान का नामकरण एवं स्वरूप 1.2 भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ 1.3 भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, संरचनात्मक और प्रायोगिक	15
Unit II	**2.स्वन विज्ञान एवं स्वनिम** 2.1.1 स्वन का स्वरूप 2.1.2 स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण 2.1.3 वाग्वयव और उचारण प्रक्रिया 2.1.4 स्वरों का स्वरूप और वर्गीकरण 2.1.5 व्यंजनों का स्वरूप और वर्गीकरण	15
Unit III	**3.1 रूप विज्ञान** 3.1.1 पद का स्वरूप और परिभाषाएं 3.1.2. सबंध तत्व और अर्थ तत्व 3.1.2 संबंध तत्त्व और उसके भेद **3.2 वाक्य विज्ञान** 3.2.1 वाक्य का स्वरूप और परिभाषाएं 3.2.2 अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद 3.2.3 वाक्य की आवश्यकताएं 3.2.4 वाक्य के भेद	15
Unit IV	**4.अर्थ विज्ञान** 4.1 अर्थ की अवधारणा	15

	4.2 शब्द और अर्थ का संबंध 4.3 अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ 4.4 अर्थ परिवर्तन के कारण	
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• रूवाली, डॉ.केशवदत्त-आधुनिक भाषा विज्ञान, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा • अग्रवाल, डॉ.रामेश्वर दयाल -मुग्धबोध भाषा विज्ञान, साधना प्रकाशन,मेरठ • तिवारी, डॉ.भोलानाथ- भाषा विज्ञान, किताब महल, नई दिल्ली • त्रिवेदी, डॉ.कपिलदेव-भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी • देशमुख, डॉ.अम्बादास-भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर • शंकर, डॉ.विवेक-आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर • शर्मा, राजमणि- आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN DSC- 363: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

श्रेयांक (Credits) : 04 — **अंतर्गत परीक्षा** : 40

कुल अंक : 100 — **सत्रांत परीक्षा**: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल से साहित्य से छात्रों को परिचित कराना 2. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्य को की प्रमुख प्रवृत्तियां तथा रचनाकारों से छात्रों को अवगत कराना 3. विविध साहित्यिक वादों से परिचय कराना 4. हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिक काल के पद्य और गद्य साहित्य तथा प्रमुख साहित्यकारों का ज्ञान छात्रों को प्रदान कराना 5. आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख उल्लेखनीय गद्य कृतियों का छात्रों को परिचय देना 6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से तैयार करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.भारतेंदु कालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं को छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा 2.द्विवेदीकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा 3.साहित्यिक वादों का छात्रों को परिचय प्राप्त होगा 4.आधुनिक गद्यकारों के साहित्यिक योगदान से छात्रों का परिचय होगा 5.आधुनिक काल की एवं गद्य कृतियों से छात्र परिचित होंगे 6.प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएं Hours**
Unit I	**1.आधुनिक काल : काव्य** 1.1 भारतेंदु कालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएं 1.2 द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएं 1.3 निम्नलिखित साहित्यिक वादों का परिचय: छायावाद, प्रगतिवाद प्रयोगवाद	15
Unit II	**2. आधुनिक काल : गद्य** 2.1 भारतेंदु पूर्व खड़ी बोली गद्य का सामान्य परिचय 2.2 साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय - भारतेंदु, प्रेमचंद, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, रामकुमार वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, जैनेंद्र कुमार 2.3 निम्नलिखित विधाओं का विकासात्मक अध्ययन:- उपन्यास, कहानी, नाटक	15
Unit III	**आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य और गद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय** :-3.1 **आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख कृतियों का संक्षिप्त परिचय** -यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त), प्रिय प्रवास (अयोध्या सिंह उपाध्याय), रश्मिरथी (रामधारी सिंह दिनकर), अंधा युग (धर्मवीर भारती)	15

Unit IV	**4. आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख कृतियों का संक्षिप्त परिचय :-** गोदान (प्रेमचंद), पहला राजा (जगदीश चंद्र माथुर), अंतिम अरण्य (निर्मल वर्मा), आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश), मैला आंचल (फणीश्वरनाथ रेणु)	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• शुक्ल, रामचंद्र-हिंदी साहित्य का इतिहास • नगेंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास • वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर- हिंदी साहित्य का इतिहास • रस्तोगी, देवीशरण- हिंदी साहित्य का इतिहास • केणी, सज्जनराम- हिंदी साहित्य का इतिहास • शर्मा, रमेशचंद्र- हिंदी साहित्य का इतिहास • शर्मा, शिवकुमार- हिंदी साहित्य और प्रवृतियां	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A. HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN DSC- 364: विशेष साहित्यकार- गोपालदास सक्सेना 'नीरज'

श्रेयांक (Credits) : 04 — **अंतर्गत परीक्षा** : 40

कुल अंक : 100 — **सत्रांत परीक्षा**: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को विशेष साहित्यकार के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराना 2. विशेष साहित्यकार के समसामयिक परिस्थितियों और साहित्यिक वातावरण से परिचित कराना 3. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों तथा मानव मूल्यों की समझ निर्माण करना 4. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से गीत तथा ग़ज़ल विधा में रूचि निर्माण करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र विशेष साहित्यकार के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचि होंगे 2. विशेष साहित्यकार के समसामयिक परिस्थितियों और साहित्यिक वातावरण से परिचित हो सकेंगे 3. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से छात्रों में सामाजिक मूल्यों तथा मानव मूल्यों की समझ निर्माण होगी 4. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से गीत तथा ग़ज़ल विधा में रूचि निर्माण होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.विशेष कवि - गोपालदास सक्सेना 'नीरज'** 1.1 नीरज का जीवन परिचय 1.2 नीरज का रचना परिचय 1.3 नीरज का काव्य- मंचों के लिए अवदान	15
Unit II	**2. नीरज का गीत साहित्य** **2.1 गीत जो गाए नहीं** 2.1.1 तब मानव कवि बन जाता है 2.1.2 दिया जलता रहा 2.1.3 मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ 2.1.4 यह संभव नहीं 2.1.5 कफ़न है आसमान **2.2 कारवाँ गुज़र गया** 2.2.1 स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से 2.2.2 अजनबी यह देश, अनजानी यहां की हर डगर है **2.3 नीरज की पांति** 2.3.1 आज की रात तुझे आखरी ख़त और लिख दूं 2.3.2 आज है जन्मदिन तेरी फुलबगिया में 2.3.3 कानपुर के नाम	15
Unit III	**3.नीरज का ग़ज़ल साहित्य** 3.1 तमाम उम्र मैं इक अजनबी के घर में रहा	15

	3.2 अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए 3.3 दूर से दूर तलक एक भी दरख्त न था 3.4 अब के सावन में शरारत ये मेरे साथ हुई 3.5 जितना कम सामान रहेगा 3.6 जब भी इस शहर में कमरे से मैं बाहर निकला 3.7 बदन पे जिस के शराफ़त का पैरहन देखा 3.8 जब चले जाएँगे हम लौट के सावन की तरह	
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में सामाजिकता 4.2 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में प्रेम और सौन्दर्य 4.3 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में वैयक्तिकता 4.4 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में मूल्य चेतना 4.5 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में व्यंग्यात्मकता 4.6 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों का शिल्प पक्ष	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• उपाध्याय, डॉ. पशुपतिनाथ -गोपालदास 'नीरज': सृष्टि और दृष्टि, जवाहर पुस्तकालय. मथुरा • सी, डॉ.वसंता, गीतकार नीरज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • सुमन, क्षेमचंद्र, आज के लोकप्रिय हिंदी कवि नीरज, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली • मिश्र, डॉ.दुर्गाशंकर. नीरज का काव्य :एक विश्लेषण, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ • चोपड़ा, सुदर्शन, आज के प्रसिद्ध गीतकार नीरज, सरस्वती विहार, नई दिल्ली • जोशी. डॉ.जीवनप्रकाश. आधुनिक हिंदी गीतिकाव्य :विषय और शिल्प, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली • गोदरे, विनोद, छायावादोत्तर हिंदी प्रगीत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • अस्थाना, डॉ.रोहिताश्व- हिंदी ग़ज़ल उद्भव और विकास, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली • खराटे, डॉ.मधुकर-हिंदी ग़ज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर, विद्या प्रकाशन, कानपुर • अनूप, डॉ.वशिष्ठ- हिंदी ग़ज़ल का स्वरूप और महत्वपूर्ण हस्ताक्षर,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN DSE-361 (A) MOOC MHD-16: भारतीय उपन्यास (SWAYAM)

पाठ्यक्रम की लिंक :

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou24_hs35/preview?user_email=vijayloharhindi@gmail.com

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों के लिए नई तकनीक के प्रयोग का मार्ग खोलना 2. छात्रों को रूचि अनुसार कोर्स चुनने को प्रोत्साहित करना 3. छात्रों को नियमित पाठ्यक्रमों से बाहर भी अन्य पाठ्यक्रम ONLINE माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करना 4.भारतीय उपन्यास परंपरा और महत्व का ज्ञान प्रदान करना 5. गुजराती तथा बंगला साहित्य में उपन्यास विधा की परंपरा एवं महत्वपूर्ण उपन्यासकारों की रचनाशीलता को समझाना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों के लिए नई तकनीक के प्रयोग का मार्ग मिलेगा 2. छात्रों को रूचि अनुसार कोर्स चुनने को प्रोत्साहित होंगे 3. छात्रों को नियमित पाठ्यक्रमों से बाहर भी अन्य पाठ्यक्रम ONLINE माध्यम से सीखने का अवसर प्राप्त होगा 4.भारतीय उपन्यास परंपरा और महत्व का ज्ञान प्राप्त होगा 5. गुजराती तथा बंगला साहित्य में उपन्यास विधा की परंपरा एवं महत्वपूर्ण उपन्यासकारों की रचनाशीलता को समझ सकेंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I,	पन्नालाल पटेल का जीवन परिचय और कृत्तित्व पन्नालाल पटेल का युग संदर्भ पन्नालाल पटेल की रचनाशीलता	-----------
Unit II	‘मानवीनी भवाई’ की कथावस्तु और विशेषताएं ‘मानवीनी भवाई’ का मूल्यांकन	
Unit III	महाश्वेता देवी : व्यक्तित्व और कृतित्व बांग्ला उपन्यास साहित्य और महाश्वेता देवी	
Unit IV	कथानक एवं चरित्र चित्रण जंगल के दावेदार’ सामाजिक चेतना ‘जंगल के दावेदार’: एक मूल्यांकन	
• **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची**	• सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.केशव देव-आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • *भारतीय उपन्यास की दिशाएँ, सत्यकाम, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली* • *भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप, आलोक गुप्ता, राजपाल एंड संस, दिल्ली*	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A. HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN DSE-361(B) : काव्यशास्त्र -II

श्रेयांक (Credits) : 04 अंतर्गत परीक्षा : 40

कुल अंक : 100 सत्रांत परीक्षा: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को काव्य की विविध विधाओं से परिचित कराना 2.छात्रों को काव्य के तात्विक स्वरूप तथा विशेषताओं का ज्ञान कराना 3.छात्रों को छंद, रस, अलंकार का परिचय कराना 4. छात्रों में काव्य ग्रहण की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों को काव्य की विविध विधाओं से परिचित किया जाएगा 2. छात्रों को काव्य के तात्विक स्वरूप तथा विशेषताओं से ज्ञात कराया जाएगा 3. छात्रों को छंद, रस, अलंकार से परिचित कराया जाएगा 4. छात्रों में काव्य ग्रहण की क्षमता विकसित की जाएगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1. काव्य के तत्त्व, हेतु, प्रयोजन, भेद** 1.1काव्य के तत्त्व- भावतत्त्व, बुद्धितत्त्व,कल्पनातत्त्व,शैलीतत्व 1.2 काव्य के हेतु 1.3 काव्य का प्रयोजन 1.4 काव्य के भेद - 1.4.1 स्वरूप के आधार पर 1.4.2 शैली के आधार पर	15
Unit II	**2. काव्य का तात्विक परिचय तथा विशेषताएं** 2.1 महाकाव्य- परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएं 2.2 खंडकाव्य- परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएं 2.3 गीतिकाव्य-परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएं 2.4 मुक्तककाव्य- परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएं 2.5 ग़ज़ल - परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएं	15
Unit III	**3.रस का परिचय** 3.1 रस- परिभाषा .स्वरूप 3.2 रस के अंग 3.3 रस के प्रकार 3.3.1 श्रृंगार रस का सामान्य परिचय 3.3.2 वीर रस का सामान्य परिचय 3.3.3 करुण रस का सामान्य परिचय 3.3.4 हास्य रस का सामान्य परिचय	15
Unit IV	**4.छंद और अलंकार** 4.1 काव्य में छंदों का महत्त्व	15

	4.2 छंदों के प्रकार का सोदाहरण परिचय 4.2.1 मात्रिक छंद- दोहा . चौपाई, सोरठा, रोला 4.2.2.वार्णिक छंद- इंद्रव्रजा, शिखरिणी, कवित्त, भुजगप्रयात 4.3अलंकारों का काव्य में महत्त्व 4.4 अलंकारों के प्रकार 4.4.1 शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति 4.4.2 अर्थालंकार – उपमा, उत्प्रेक्षा,विरोधाभास, अतिश्योक्ति	
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • व्दिवेदी, हजारी प्रसाद - साहित्य सहचर, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • उपाध्याय,आचार्य बलदेव भारतीय साहित्य शास्त्र ,नंदकिशोर एंड संस प्रा .लि., वाराणसी • शुक्ल, रामबिहारी- काव्य-प्रदीप , लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • धवन,डॉ.मधु - साहित्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • डॉ. रामशरण दास गुप्ता, साहित्य शास्त्र, जयपुर	

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A. HINDI)

षष्ठ सत्र (Semester VI)

HIN VSC-361: संचार माध्यमों के लिए लेखन

श्रेयांक (Credits) : 04 — **अंतर्गत परीक्षा** : 40

कुल अंक : 100 — **सत्रांत परीक्षा**: 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. संचार माध्यम के महत्व को बताना 2. संचार माध्यम के विविध रूपों का परिचय देना 3. संचार माध्यम लेखन की प्रविधि पर प्रकाश डालना 4. सचार माध्यम के लिए लेखन की क्षमता को विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. संचार माध्यम न के महत्त्व जानेंगे 2. संचार माध्यम के रूपों से परिचय होगा 3. संचार माध्यम के रूपों के लिए लेखन की प्रविधि पर समझ सकेंगे 4. संचार माध्यम के लिए लेखन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.संचार माध्यम : सैद्धांतिक पक्ष** 1.1 संचार माध्यम: अवधारणा एवं स्वरूप 1.2 संचार माध्यम का उद्देश्य 1.3 संचार माध्यमों के प्रकार 1.4 संचार माध्यम का महत्त्व	15
Unit II	**2.प्रिंट माध्यम के लिए लेखन** 2.1 फीचर लेखन 2.2 वार्ता लेखन 2.3 साक्षात्कार लेखन	15
Unit III	**3.इलैक्ट्रानिक माध्यम के लिए लेखन** 3.1 दूरदर्शन के लिए लेखन 3.2 रेडियो के लिए लेखन 3.3 ब्लॉग के लिए लेखन	15
Unit IV	**4.संचार माध्यमों की भाषा** 4.1 समाचार पत्रों की भाषा 4.2 दूरदर्शन की भाषा 4.3 रेडियो की भाषा 4.4 अंतरजाल की भाषा	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• व्दिवेदी, हजारी प्रसाद - साहित्य सहचर, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद • धवन,डॉ.मधु - साहित्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • कुमार, राजेंद्र, सर्जनात्मक लेखन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2021 • अली, आबिद,कुमार,संदीप-लेखन कला : सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरुक्षेत्र • कुलकर्णी, डॉ.सुनील- भाषिक संप्रेषण, कुमुद पब्लिकेशन, जलगांव	

हिंदी अध्ययन मंडल

नाम	पद	पता
डॉ.रोशनी पवार	अध्यक्ष	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.विजय लोहार	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.मनोज महाजन	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर	सदस्य	हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
डॉ.शाकीर शेख	सदस्य	अध्यक्ष, हिंदी विभाग, पूना कॉलेज, पुणे
डॉ.संजय रणखांबे	सदस्य	अण्णासाहेब डॉ.जी.डी.बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जलगांव
श्री.युवराज माळी	सदस्य	अथर्व पब्लिकेशन, जलगांव
मुक्ति जैन	सदस्य	जलगांव